7-6-18 पत्रावली न्याय आपके द्वार -2018 में अटल सेवा केन्द्र रानी बोराज पेश हुई। मूल वाद एवं T.I. प्रा० पत्र 09 R-5 में खारिज हो चुका है इसलिये अवमानना प्रा० पत्र का अब कोई औचित्य नहीं रह गया है एवं प्रार्थी अनुपस्थित है अतः मूल वाद एवं T.I. प्रा० पत्र के परिपेक्ष में अवमानना प्रा० पत्र भी खारिज किया गया। पत्रावली फैसल शुमार होकर दर्ज नम्बर से कम हो। आदेश मजमे आम में सुनाया गया।

उपखण्ड अधिकारी
सांभरलेक